PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

J 1 8 1 1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

MAITHILI
मैथिली

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : ई प्रश्नपत्र **दू सय (200)** अंकक अछि । एहिमे **चारि (4)** खंड अछि । अभ्यर्थीकेँ एहिमे समाविष्ट प्रश्नक उत्तर यथास्थान देल गेल विस्तृत निर्देशक अनुसार देबाक अछि ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : एहि खंडमे **बीस-बीस** अंकक **दू** निबन्धात्मक प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **पाँच सय (500)** शब्दमे अपेक्षित अछि । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. कोनो **एक** विषयपर निबन्ध लिखू : **20**

   A. आधुनिक मैथिली कविता

   B. मैथिली महाकाव्य

   C. मैथिली उपन्यासक विकास-क्रम

2. कोनो **एक** विषयपर निबन्ध लिखू : **20**

A. आरसी प्रसाद सिंह

B. प्रभास कुमार चौधरी

C. सीताराम झा

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only **one** elective/specialization and answer all the **three** questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : एहि खण्डमे प्रत्येक ऐच्छिक इकाइ / विशेषज्ञतासँ **तीन (3)** प्रश्न अछि । अभ्यर्थीकेँ मात्र **एक** ऐच्छिक इकाइ / विशेषज्ञताकेँ चुनि ओहीमेसँ **तीनू** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकक अछि, जकर उत्तर लगभग **तीन सय (300)** शब्दमे अपेक्षित अछि । **(3 × 15 = 45 अंक)**

ऐच्छिक – I
(विद्यापति)

3. विद्यापतिक व्यापक प्रभावक वर्णन करु ।
4. विद्यापति पदावलीक लोकप्रियतासँ परिचय कराउ ।
5. की विद्यापति शृंगारिक कवि छलाह ? सयुक्ति प्रतिपादन करु ।

ऐच्छिक – II
(चन्दाझा)

3. कवीश्वर चन्दाझाक काव्य-प्रतिभा पर प्रकाश दियऽ ।
4. 'कवीश्वर चन्दाझा रामायणमे छन्द एवं लोकोक्तिक विविधता अछि' - विश्लेषण करु ।
5. मिथिलाभाषा रामायणक सुन्दरकाण्डमे वर्णित हनुमानक वीरताक वर्णन करु ।

ऐच्छिक – III
(आधुनिक नाटक)

3. सुधांशु 'शेखर' चौधरीक नाट्यशिल्प पर प्रकाश दियऽ ।
4. मैथिली रंगमंचक विकास पर प्रकाश दियऽ ।
5. मैथिलीक ऐतिहासिक नाटकसँ परिचय कराउ ।

ऐच्छिक – IV
(आधुनिक कविता)

3. आधुनिक मैथिली कवितामे चित्रित सामाजिक चेतना पर प्रकाश दियऽ ।
4. 'प्रो. सुरेन्द्रझा सुमान प्राचीनता एवं नवीनताक संगम स्थलपर ठाढ़ छथि' – पल्लवित करु ।
5. 'सूर्यमुखी' क मूल्यांकन करु ।

ऐच्छिक – V
(कथा – उपन्यास)

3. मैथिली कथाक प्रमुख मोड़सँ परिचय कराउ ।
4. राजकमलक कथाक विशेषता देखाउ ।
5. मणिपद्मक कोनो एक उपन्यासक समीक्षा करु ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : एहि खंडमे **दस-दस (10-10)** अंकक **नओ (9)** प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दमे अपेक्षित अछि । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. दोहाकोशसँ परिचय कराउ **10**

7. ज्योतिरीश्वरक रचनापर प्रकाश दियउ । **10**

8. कोनो एक अंकीया नाटक कथासार लिखू । **10**

9. विद्यापतिक अवहट्ठ कृतिक विषयमे लिखू । **10**

10. कृष्णजन्मक महत्त्व देखाउ । **10**

11. कवीश्वर चन्दाझाक भक्तिपदक परिचय दियउ । **10**

12. मैथिली उपन्यासक प्रमुख तत्त्व की सम अछि ? बुझाउ । **10**

13. ‘खट्टर ककाक तरंग’ क विशेषताक उल्लेख करु । **10**

14. लोकगाथा ककरा कही ? स्पष्ट करु । **10**

SECTION – IV

खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : एहि खण्डमे निम्नलिखित अनुच्छेदपर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दमे अपेक्षित अछि । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकक अछि । **(5 × 5 = 25 अंक)**

मिथिला नदीप्रधान आ वृक्षप्रधान भूमि थिक तेँ एहि ठामक लोकपक्षीय संस्कृतिमे नदी-पूजा आ वृक्ष-पूजा एक प्रमुख विशेषता थिक । वैदिक परम्परामे पलाश, गम्हारि, डूमरि आदि किछु वृक्ष पवित्र तँ मानल जाइत अछि, किन्तु पूजनीय नहि । एहिना गंगा, यमुना आदि नदी वैदिक परम्परामे पवित्र तँ मानल गेल अछि, मुदा देवीक रूपमे नदीक पूजा लोकपक्षीय संस्कृतिक देन थिक । मिथिलाक लोकपक्षीय संस्कृतिक दोसर वैशिष्ट्य थिक चैत्यपूजन । चिति शब्दक अर्थ थिक ईटा वा पाथरक जोड़ाइ । चैत्य मेल एहि प्रकारेँ जोड़ल रचना । एहि प्रकारक संरचना हवन करबाक हेतु वा अन्तिम संस्कारमे होइत छल । जखन कोनो दिव्य पुरुष मरैत छलाह तँ हुनक समाधिपर ई चैत्य बनाओल जाइत छल आ लोक ओकर पूजा करैत छल । इएह प्रेतपूजा चैत्य कहबैत छल । वैदिक धर्म हिंसामय छल, किन्तु लोकपक्षीय धर्ममे हिंसाक कतहु स्थान नहि छल । वर्तमान कालहुमे कमलाकेँ जे छागर, चढ़ाओल जाइत अछि, से काटल नहि जाइत अछि, कान काटि स्वच्छन्द छोड़ि देल जाइत अछि । कान एहि लेल काटल जाइत अछि जे लोक बूझओ ई देवताकेँ चढ़ाओल गेल अछि, केओ काटय वा पकड़िकऽ बान्हय नहि । एक समय आयल जहिया अवतारवाद चलल आ राम, कृष्ण आदि मानवरूपी देवता पूजल जाय लगलाह तहिना वृहत्तर वर्गमे लोड़िक, सलहेस, नाका, सुठी कुमरि, कारिख आदिक गाथा गाओल जाय लागल । भेद एतबे जे ओ लिपिबद्ध मेल आ बौद्धिकतासँ भरल अछि, किन्तु ई मौखिक अछि, स्वाभाविक अछि, सरल अछि आ भावोत्तेजक अछि ।

15. मिथिला भूमिक प्रधानता की छैक ? **5**

16. मिथिलाक लोकपक्षीय संस्कृतिक दोसर विशेषता की थिक ? **5**

17. वैदिक धर्म केहन छल ? **5**

18. अवतारवादक परिपाटीसँ कोन परिवर्त्तन भेलैक ? **5**

19. वृहत्तर वर्गमे ककर गाथागान होबउ लागल ? **5**

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....